RAJYA SABHA

Thursday, the 21st April, 1994, lst Vai-*sakha* 1916 (Saka)

The House met at eleven of the clock, The Deputy Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

341. *[The Questioner (Shri Ramdas Agarwal) was absent. For answer* vide *Col* ..... infra]

Special Scheme for Rural Artisans in Gujarat

*342 SHRI AHMED MOHMEDBHAI PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a Central Government Special Scheme for 100 rural artisans, rated in the below poverty-line category in Bhavnagar District, has been undertaken by the Gujarat Government;

(b) if so, what is the amount allocated by Government for the said scheme;

(c) what are the main features of the proposed scheme ;

(d) what are the areas where the scheme will be introduced; and

(e) how many artisans will be benefited under the Scheme during 1994 ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI UTTAM-BHAI PATEL) : (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) The Scheme of Supply of Improved tool kits to the rural artisans living below the poverty line was launched in 1992-93. 162 districts were covered in the country during 1992-93 and 1993-94. Selection of the districts is done by the State Governments. In Gujarat 6 districts have been covered till March, 94. Bhavanagar district has not yet, been selected by the State Government.

(c) Under the scheme, a tool kit cost ing an average of Rs. 2000/- is provided to the rural artisan. 90% cost is borne by the Central Government as subsidy and only 10% is to be contributed by the artisan. Training is given to the artisans in the use of these tools. The scheme enables the artisans to enhance the quality of product, increase the pro duction and income and reduce the drud gery.

(d) The scheme is meant for all the rural artisans except weavers, tailors, needle workers and beedi workers. Some of the popular activities are carpentry blacksmithy, leather work, pottery, stone work, bamboo work etc.

(e) 10,000 artisans in 8 districts will be benefitted during the year 1994-95 in Gujarat State.

श्री अहमद मोहम्मदभाई पटेल : महोदया, ग्रामीण कारिगरों के लिए जिनको गरीबी रेखा के ऊपर उठाने के लिए केन्द्र सरकार ने जो स्कीम प्रारम्भ की है, उसके लिए मैं केन्द्र सरकार को बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूं । यह स्कीम काफी पॉपुलर भी हो रही है । मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि पूरे हिन्दुस्तान में अब तक 162 जिले कवर किए गए हैं और गुजरात में 6 जिले कवर किए गए हैं । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि गुजरात में और पुरे देश में बाकी जिले कब तक कवर किए जाएंगे और जो जिले कवर किए गए हैं अब तक उन पर कितनी धनराशि खर्च की गई है ? अब तक पुरे देश में और गुजरात में कितने कारिगरों को इससे फायदा हुआ है ? गुजरात के बाकी जो जिले हैं, छः को छोड़कर, तो वह कितने समय में कवर किए जाएंगे ?

उपसभापति : मंत्री जी, आप जवाब दें उससे पहले हमारे आफिशियल बॉक्स में डेलीगेशन है ।

WELCOME TO PARLIAMENTARY DELEGATION FROM VIETNAM

THE DEPUTY CHAIRMAN : Hon. Members, I have to make an announcement.

We have with us, seated in the special box, members of a Parliamentary Delegation from Vietnam, currently on a visit to our country under the distinguished leadership of his Excellency Mr. Nona Due Manh, Chairman of the National Assembly of Vietnam.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to the Leader and other members of the delegation and wish our distinguished guests an enjoyable find fruitful stav in our country. We hope that during their stay here they would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people, and their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Vietnam. Through them we convey our greetings and best wishes to the Members of the National Assembly and the friendly people of Vietnam.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS-Contd.

Question no 342—Contd.

श्री उत्तमभाई पटेल : महोदया, सारे देश में 1992-93 और 1993-94 में लक्ष्य था 2,26,585 का और पसंद की गई थी 1,95,423 और किट वितरण 1,10,359 था और खर्च किया गया था चालीस करोड़ पच्चीस लाख और 1994-95 में.... **(व्यवधान)**

कुछ सम्मानित सदस्य : आवाज सुनाई नहीं दे रही है ।

उपसभापति : आप आगे आकर बोल दीजिए ।

श्री उत्तमभाई पटेल : सारे देश भर में 1992-93 और 93-94 में 162 जिले चुने गए थे और लक्ष्य 2,26,585 था दोनों वर्ष मिला करके । उसमें पसंद किया गया 1,95,423 और किट वितरण किया गया 1,10,334 और प्रावधान किया गया चालीस करोड़ 25 लाख । इसी तरह 1994-95 में 157 जिले चुने जाएंगे और लक्ष्य है 1,30,000 का और पैसे का प्रावधान सभी स्तरों पर किया गया है । इसी तरह गुजरात में 1992-93 में कच्छ और पंचमाल, ये दो जिले चुने गए थे और क्ष्य था 4,000 का और पसंद किया था 4,528 । औजारों का वितरण किया गया 4,510 । इसी तरह 1993-94 में बनासकांठा, जामनगर, अमरेली और अहमदाबाद पसंद किए गए थे और लक्ष्य था 5,200 और पसंद किए गए 6,105 । किट वितरण किया गया 6,329 और खर्च किया गया 97,60,000 और इस बरस में भी ऐसे ही चुने जाएंगे ।

श्री संघ प्रिय गौतम : मैडम, संयोग देखिए कि प्रश्नकर्ता भी गुजरात के और मंत्री भी गुजरात के और प्रश्न भी गुजरात का ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मैडम, मुझे यह कहना है कि प्रधान मंत्री जी का आज क्वश्चिन है । प्रधान मंत्री जी को यहां होना चाहिए था, वह नहीं है । कोई विशेष कारण है ?

उपसभापति : हाँ, विशेष कारण है । विशेष कारण यह है कि आज लोकसभा में... **(व्यवधान)**

श्री कृष्ण लाल शर्मा : सप्ताह में एक बार उनको आना होता है ।

उपसभापति : प्रधान मंत्री जी से मेरी बात हुई थी । उन्होंने यह कहा कि आज लोकसभा के अंदर ओबिचुअरी है । लोकसभा के एक सिटिंग मेंबर का देहांत हो गया है । इसके लिए प्रधानमंत्री जी को लोकसभा में रहना आवश्यक है । इसलिए वह थोड़े विलंब से आएंगे ।

श्री अहमद मोहम्मदभाई पटेल : मैडम, मेरा प्रश्न यह था कि अब तक पूरे हिंदुस्तान में 162 जिले कवर किए गए है और गुजरात में 6 जिले कवर किए गए है । पूरे हिंदुस्तान में और गुजरात में जो बाकी जिले हैं वे कब तक कवर किए जाएंगे ? क्या उसके लिए कोई धनराशि का प्रावधान है या नहीं ?

मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी यह है कि जब भी कोई स्कीम पापुलर होती है तो डिमांड भी बढ़ती है, स्वाभाविक है । जो जरूरतमंद लोग है, उनके आई-डेंटिफिकेशन के लिए और जिलों के आईडेंटिफिकेशन के लिए क्या कोई क्राईटोरिया है या नहीं क्योंकि शिकायतें ये मिली है कि जो चयन किया जाता है, जो आईडेंटिफिकेशन होता है उसमें काफी कुछ गड़बड़ी हो रही है । तो क्या मंत्री महोदय को और केन्द्रीय सरकार को ऐसी शिकायतें मिली है या नहीं और अगर मिली है तो उसके बारे में क्या कोई जांच की गई और उसके सुधार के लिए क्या आप कोई उपाय करने जा रहे है ?

श्री उत्तमभाई पटेल : महोदया, पैसे की तो कोई कमी नहीं है । जैसे-जैसे काम होता जाएगा, वैसे-वैसे हम जिले चुनते जाएंगे ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : That is very surprising because everyday Ministers come and say, 'there is lack of money.'

श्री उत्तमभाई पटेल : महोदया, 1994-95 में गुजरात में 8 जिले चुन लिए गए हैं और 1994-95 में 10,000 का किट वितरण किया जाएगा और 1.8 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी है । वहां इनका चयन राज्य सरकार करती है और पैसा हम देते है । ऐसी कोई शिकायत अभी तक तो मेरे ख्याल में नहीं आई है । जब आएगी तो हम देख लेंगे ।

श्री अनंतराय देवशंकर दवे : महोदया, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि उन्होंने जवाब में "ई" में बताया है कि—

"10,000 artisans in 8 districts will be benefitted during the year 1994-95 in Gujarat State."

तो मैं जानना चाहूंगा कि जो पहले आपने "सी" में बताया है कि 6 डिस्ट्रिक्ट चुने गए तो ये 2 कौन से डिस्ट्रिक्ट आप इन्क्लूड करने जा रहे है इस स्कीम में और मेरे सवाल का "ख" पार्ट यह है कि जो टूल्स आप कारीगरों को देते है उसके लिए आपने लिखा है कि—

"The scheme enables the artisans to enhance the quality of product."

तो आप कौन से टूल्स देते है जिससे उनका प्रोडक्ट बढ़े, यह थोडा मुझे बताइए । यहां जो मिलता है, वह मैंने देखा है ।

श्री उत्तम भाई पटेल : जो टूल्स दिए जाते है वह मैंने बता दिया है । जो जिले माननीय सदस्य ने बताए है वह है 1992-93 में कच्छ और पंचमाल, 1993-94 में जामनगर, बनासकांठा, अमरेली और अहमदाबाद तथा 1994-95 में 8 जिले पसन्द किए जाएंगे लेकिन चुनने की स्कीम अभी राज्य सरकार ने भेजी नहीं है ।

श्री अनंतराय देवशंकर दवे : दूसरा मैंने जो पूछा उसका जवाब नहीं दिया ।...

उपसभापति : आपने क्या पूछा ?

श्री अनंतराय देवशंकर दवे : मैंने यह पूछा कि उन्होंने खुद ही जवाब दिया है–

"This scheme enables the artisans to enhance the quality of products."

तो जो किट, टूल्स वह देते है उनसे प्रोडक्ट बढ़ जाता है तो मैं जानना चाहता हूं कि वह कौनसे टूल्स दिए है ?

उपसभापति : आप कौनसे औजार देते है जिनसे उनका उत्पादन बढ़ता है ?

श्री उत्तम भाई पटेल : यह मैंने लिखित उत्तर में दे दिया है ।...

श्री अनंतराय देवशंकर दवे : स्टेटमेंट में कुछ नहीं है । ...

उपसभापति : अच्छा आप पता लगा लीजिएगा मालूम कर लीजिएगा ।

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, मशीनीकरण के कारण ग्रामीण कारीगर बेकार होते जा रहे है और इनकी हालत ज्यादा चिन्ताजनक है । ग्रामीण कारीगरों के ऊपर, ऐसा लगता है कि सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है, उनकी उपेक्षा कर रही है जिससे उनकी हालत दिन पर दिन चिन्ताजनक होती जा रही है । मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उसमें बताया है कि अब तक पूरे देश में केवल 162 जिलों को कवर किया गया है । इनमें से भी बुनकरों, दर्जियों, कसीदाकारों को वंचित कर दिया गया है, इनको कोई सहायता नहीं दी गई है जबकि ये भी ग्रामीण कारीगर है । तो मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पूरे देश में जो जिले है उनको क्यों वंचित कर दिया गया है जहां यह सुविधा और सहायता देनी चाहिए थी ।... इसीसे संबंधित पूरक प्रश्न मैं...

उपसभापति : एक ही प्रश्न पूछिए, एक का जवाब आ जाए ।...

श्री ईश दत्त यादव : मैं जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के कितने जिलों में यह...

उपसभापति : यह उत्तर प्रदेश का सवाल नहीं है, इसलिए मत पूछिए ।...

श्री ईश दत्त यादव : पूरे देश का सवाल है, पूरे देश के सभी जिलों को कब तक कवर कर लेंगे, यही उत्तर दे दें ।...

THE DEPUTY CHAIRMAN : The original question is about Gujarat and let the Minister answer. आप मंत्री जी यह बताइए कि आपने खाली 162 डिस्ट्रिक्ट्स किए है, बाकी जिलों को कब तक करेंगे ?

श्री उत्तम भाई पटेल : हमारा यह लक्ष्य है, बिलकुल कवर करेंगे और इसलिए हम सबको यथासमय कवर कर लेंगे ....

उपसभापति : महिलाओं के विषय में चूंकि गुजरात से संबंधित सवाल है, उसमें बता दीजिए कि गुजरात में कितने जिलों को दिया गया हैं ।

श्री उत्तम भाई पटेल : ऐसा कोई मतभेद नहीं है । नियमों से जो कारीगरों को देना है वह कैटेगरी के मुताबिक महिलाओं के लिए भी दिया जाता है ।

उपसभापति : आप उनका सजेशन मान लीजिए और महिलाओं को भी दे दीजिएगा ।

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN : Madam, the hon. Prime Minister has been taking special care to augment the Budgetary allocation for Rural Development as, I understand, it was more than 60 per cent in the last year, and this year also, the Budgetary allocation for Rural Development has been augmented to a great extent. It has been my demand and the demand of many of the women activists that 50 per cent of the Budgetary allocation for Rural Development should be earmarked for the works, projects and schemes beneficial to women. I would like to put a very special question to the hon. Minister regarding the rural artisan scheme. How many women have been benefitted through this rural artisan scheme ? I would like to know the details of the women artisans being help-ed through this scheme.

Better performance of industrial sector

*343. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE :†

SHRI V. NARAYANASAMY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that industrial sector in the country is going to perform well because of the liberalised, policy adopted by Government in giving thrust to the sick infrastructure industries;

† The question was actually asked in the floor of the House by Shri Bishambhar Nath Paade.